हिन्दी सान्ध्य दैनिक जौनपुर,लखनऊ व भदोही से प्रकाशित

देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live &
dkunews24

वर्ष : 01 अंक–108 : जौनपुर, शनिवार 24 दिसम्बर 2022 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

सीएम योगी ने पीएम मोदी से की मुलाकात : कोरोना सहित राज्य के विकास पर की चर्चा

नई दिल्ली ब्यूरो : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को प्रधानमंत्री आवास पर पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान कई मुद्दों पर चर्चा हुई। कोविड की चीन में जो स्थिति चल रही है उसे लेकर इस मुलाकात को अहम माना जा रहा है। विकास योजनाओं के साथ ही कोविड को लेकर सतर्कता और उसकी तैयारियों को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश से संबंधित जानकारी पीएम मोदी के साथ शेयर की। इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी को फूलों का गुलदस्ता भी भेंट किया। इसके साथ ही नगरीय निकाय चुनाव को लेकर दायर याचिका पर उच्च न्यायालय के फैसले से यदि निकाय चुनाव टालने की नौबत आई तो भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी की नई टीम की घोषणा जनवरी में हो सकती है। प्रदेश टीम में जातीय समीकरण के हिसाब से कुछ नए चेहरों को जगह मिलेगी वहीं सालों से जमे कुछ पदाधिकारी बाहर हो जाएंगे। प्रदेश मंत्री और उपाध्यक्ष स्तर के मौजूदा पदाधिकारियों को पदोन्नति मिलेगी तो क्षेत्रीय अध्यक्ष और मोर्चों के प्रदेश अध्यक्ष भी बदले जाएंगे। इन चुनावों को भाजपा 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव से जोड़कर देख रही है। इसकी तैयारियों के बारे में योगी ने पीएम मोदी को अवगत कराया। इसके साथ ही उन्होंने कोरोना की स्थिति को लेकर चर्चा की और पीएम को बताया कि स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन

के अधिकारियों को अलर्ट करते हुए चिकित्सा संबंधी सारी व्यवस्था चाक–चौबंद रखने के निर्देश दिए हैं। कहा गया है कि यदि कहीं पर चिकित्सक और पैरामेडिकल स्टाफ की कमी है तो शासन को तत्काल जानकारी दें, ताकि समय से व्यवस्था हो सके। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि कोविड से बचाव के लिए हम भी मॉकड्रिल की पूरी तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने अस्पतालों, बस व रेलवे स्टेशन और बाजारों जैसे भीड़भाड़ वाले स्थानों पर मास्क लगाने के लिए लोगों को जागरूक करने और पब्लिक एड्रेस सिस्टम सक्रिय करने के निर्देश दे दिए हैं।

जिन्होंने खुद कभी एसएसबी उत्तीर्ण भी नहीं किया वो भी मेंटर्स बने हुए हैं –मेजर जनरल यश मोर

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। इंटीग्रेटेड ट्रेनिंग – डिफेन्स फोर्सेज में अफसर बनने का राज – आइये जानते है एक्सपर्ट्स की राय। एक अनुमान के तौर पर NDA या CDS के किसी भी परीक्षा के लिए तकरीबन ३ से ४ लाख अभ्यर्थी लिखित परीक्षा के लिए आवेदन करते है। कुल इस तरह की ४ परीक्षाएं होती है , यानी करीब १५ से १६ लाख बच्चे पुरे साल मेल लिखित परीक्षा मई शामिल होते है। हर परीक्षा मई अनुमानतः ८ से १० हजार यानी पुरे साल मई कुल ३६ से ४० हजार बच्चे लिखित परीक्षा मई उत्तीर्ण होते है। अंततः हर परीक्षा के उत्तीर्ण अभ्यथिओं मई से तकरीबन ४०० कैंडिडेट्स ही ैठ मै रेकमेंडेड श्रेणी मै आ पाते है। यानी कुल मिलकर पुरे साल मै ३६ से ४० हजार कैंडिडेट्स मै से कुल १६०० बच्चे ही अफसर अकादमी मै प्रवेश के लिए उपुक्त पाए जाते है। यदि प्रतिशत के हिसाब से से देखें तो कुल संख्या के केवल ०–०२५ % बच्चे ही सक्षम पाए जाते है। अमूमन कोचिंग संसथान केवल लिखित परीक्षा पर ही जोर देते है क्योंकि यहाँ पर कैंडिडेट्स की संख्या काफी है और मोटा पैसा कमाने की संभावना है। कोई भी संसथान बच्चों की पर्सनालिटी डेवलपमेंट की तरफ कोई ध्यान नहीं देते है। इसी वजह से जो कैंडिडेट्स रेकमेंड नहीं हो पाते है वो अपने आप को आगे के लिए मझदार मै पाते है। यदि लिखित परीक्षा के साथ बच्चो की पर्सनालिटी डेवलपमेंट मे जोर दिया जाये तो उनका आल राउंड ग्रोथ होगा और वह बच्चे भविष्य में किसी भी चुनौती को लेने के लिए हर समय तैयार रहेंगे। जनरल सलूट मेंटर्स जो की सेना मै जाने के इच्छुक बच्चों

को तैयार करता है उनका यह बखूबी मानना है की हर कैंडिडेट जो सैन्य अफसर बनाना चाहता है उसे इंटीग्रेटेड ट्रेनिंग करनी चाहिए। यानी की अपने लिखित परीक्षा के तैयारी के साथ ही पर्सनालिटी डेवलपमेंट और SSB की भी ट्रेनिंग कर लेनी चाहिए। ऐसा करने से एक तो व्यक्तिगत तौर पर कैंडिडेट की पर्सनैल्टी मै सुधार आएगा और लिखित परीक्षा के नतीजे से पहले ही वह SSB की कठिन परीक्षा के लिए समय से पहले ही तैयार ही जायेगा। यदि किसी कारणवश सैन्य परीक्षा में सफल न हो पाए तो बेहतर पर्सनालिटी होने से अन्य किसी भी क्षेत्र मै वह उत्तीर्ण होने के लिए सक्षम होगा। लिखित परीक्षा की तैयारी कैंडिडेट कही से भी कर सकता है परन्तु पर्सनालिटी डेवलपमेंट और SSB की तैयारी किसी अनुभवी मेंटर से हिन् करें। कई कोचिंग संसथान मै पाया गया है की ऐसे भी मेंटर्स बने है जिन्होंने खुद कभी SSB उत्तीर्ण भी नहीं किया है और वो भी मेंटर्स बने हुए है और बच्चो को सही ट्रेनिंग देने के काबिल नहीं है। सभी कैंडिडेट्स को इस बात का खास ध्यान रखना जरूरी है।

आवश्यक सूचना

आप सभी पाठक बन्धुओं से अनुरोध है कि आनलाइन समाचार पत्र पढ़नें और ई–पेपर का लाभ लेने हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट एवं न्यूज पोर्टल - dku live चैनल पर सम्पर्क कर लाभ उठायें– उ0प्र0 के सभी जनपदों एवं तहसीलों से पत्रकार बननें के लिए सम्पर्क करें–

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

–संपादक

ताहिर पब्लिक स्कूल मे बड़े धूमधाम से मनाया गया क्रिसमस डे

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : शनिवार को ताहिर पब्लिक स्कूल मे क्रिसमस डे धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समा बांध दिया। सांता ने बच्चों में टाफियां व

उपहार देकर खुशियां बांटी। विद्यालय के प्रबंधक सैफ जैदी ने कहा कि प्रतिवर्ष प्रभु यीशु मसीह का जन्म दिन पूरी दुनिया में धूमधाम से बनाया जाता है। वैश्वीकरण के दौर में त्योहां की संस्कृति भी अपनी सीमाएं लांघ चुकी है। उन्होंने कहा कि क्रिसमस का संदेश आपस में खुशियां बांटना, खुश रहना, प्रेम व भाईचारा फैलाना है। कहा कि इस दिन प्रभु ईसा मसीह का जन्म हुआ था, इसलिए इस दिन को क्रिसमस डे के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि क्रिसमस के त्योहार का मुख्य मकसद है बुराई को खत्म करना और अच्छे विचारों को एक दूसरे में फैलाना। हर किसी के प्रति दया का भाव रखना। इस अवसर पर एल के जी के अयान खान व नर्सरी की फरीहा जैनब ने सेंटा क्लास की ड्रेस पहन कर बच्चो और टीचर को टॉफी बाटी। अयान खान को एल के जी की क्लास टीचर नाजिया मेम ने सेंटाक्लास बना कर जिंगल बैल गाने पर डांस करवाया । क्रिसमस ट्री समर जैदी ने बनाई। टीचर इरम जहरा, मैनेजर सैफ जैदी, प्रिंसिपल परवीन पांडे, एकता मेम, संजीव सर, अजीजू रहमान सर, श्वेता मेम, कृतिका पांडे, गीता मेम,नीलम मेम, रोली मेम,रूही मेम के साथ साथ समस्त स्टाफ एवं स्कूल के बच्चे मौजूद रहे।

गोरखपुर में 31 हजार घरों की तलाश में जुटा बिजली विभाग : तीन साल से हैं कई लापता

गोरखपुर ब्यूरो : गोरखपुर मंडल में 31 हजार से अधिक उपभोक्ताओं को बिजली निगम तलाश करेगा। तीन वर्ष में इन उपभोक्ताओं ने बिजली कनेक्शन को लिया, लेकिन इनका बिजली बिल नहीं बना। इन्हें ना बिलिंग कंपनी खोज सकी और न क्षेत्र के अभियंताओं ने इन्हें तलाशना जरूरी समझा। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम एमडी ने चार दिन पहले बिलिंग कंपनी और मंडल के मुख्य अभियंताओं संग बैठक की थी। निर्देश दिए कि 30 दिंसबर तक इन बिलों को नॉन ट्रेसेबल (गणन से बाहर) से खोजकर बिल बनाना है। बिजली निगम इन उपभोक्ताओं को लेकर परेशान है। लगातार टीम अपने स्तर से इनका पता लगाने की कोशिश कर रही है, लेकिन नहीं लगा पा रहा है। दरअसल, बैठक में उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, ये उपभोक्ता आज भी बिजली उपभोग करते हैं और इनका बिल भी बनता है। लेकिन भुगतान नहीं होता। निगम भी अपनी तरफ से योजना चलाकर कुछ दिन बिजली के उपभोक्ताओं का पता ढूंढती है, लेकिन बाद में शांत होकर बैठ जाती है। बिलिंग एजेंसी के पास नाम पता होने और उपभोक्ताओं के परिसर पर कनेक्शन जारी करने के बाद भी इन्हें नहीं खोजा जा सका है। ऐसे में इनसे बिजली बिल जमा करवाना एक बड़ी चुनौती होगी। मुख्य अभियंता आशु कालिया ने बताया कि इन लापता उपभोक्ताओं की तलाश की जाएगी। हालांकि, इसमें बिलिंग कंपनी की तरफ से भी लापरवाही है। फिर भी रिकार्ड के मुताबिक, बिलिंग एजेंसी टीम स्थानीय अभियंताओं के साथ अपनी क्षेत्र में इन कनेक्शनों की तलाश करेंगे।

पाली में सहायक चकबन्दी अधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ समाधान दिवस

रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव पाली–हरदोई : शनिवार को थाने पर सहायक चकबन्दी अधिकारी राजकुमार की अध्यक्षता में थाना दिवस का आयोजन हुआ। इसमें पुलिस व भूमि विवाद से जुड़े मामलों की सुनवाई हुई। समाधान दिवस पर पहुंचे सहायक चकबन्दी अधिकारी राजकुमार एवं प्रभारी निरीक्षक राजकुमार पाण्डेय ने क्षेत्र से आये हुए फरियादियों से रूबरू होकर समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना। इस दौरान कुल 04 शिकायतें आयीं जिनमें से 02 शिकायतों को मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। सहायक चकबंदी अधिकारी ने कहा कि राजस्व–पुलिस से संबंधित शिकायतों का निस्तारण आपसी सामंजस्य से सुनिश्चित किया जाये। इसमें किसी भी स्तर पर हीला हवाली क्षम्य नहीं होगी।इस मौके पर 04 शिकायतें मिली,जो सभी राजस्व से संबंधित थीं।

जिनमें से 02 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु संबंधित को आवश्यक निर्देश दिये गये।

साहित्य और संस्कृति का समायोजन रेजल डेजल के मंच से हुआ सम्पन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। सेठ एम .आर.जयपुरिया स्कूल्स गोयल कैंपस के सभागार में साहित्य और संस्कृति के समागम स्वरूप'' रेजल डेजल'' कार्यक्रम का शुभारंभ गोयल ग्रुप के चेयरमैन श्री

महेश अग्रवाल , प्रधानाचार्या डॉ. श्रीमती रीना पाठक, उपप्रधानाचार्य श्री सुशांत श्रीवास्तव, हेडमिस्ट्रेस श्रीमती शिल्पी जैन और उपस्थित अभिभावकों के करकमलों द्वारा दीप प्रज्वलित कर के किया गया।इस अवसर पर गोयल कैम्पस द्वारा अंतरविद्यालीय प्रतियोगिता जैसे श्लोकवाचन, फैशन शो, फैंसी ड्रेस,लोरी गायन ,नृत्य का आयोजन किया गया जिसमें न केवल विद्यालय के छात्रों ने बल्कि अन्य विद्यालयों से आए प्रतियोगियों ने भी हिस्सा लिया।श्लोक वचन में साक्ष्य, तोशानी,वृष्टि , फैंसी ड्रेस में अंशी मिश्रा, प्रहित, तोशानी,फैशन शो में वैष्णवी, ओमश्री तिवारी, रिदम में कश्वी पांडे , शौर्य दुबे विजयी रहे।नन्हें मुन्ने बच्चो के साथ उनके माता पिता और दादा दादी की प्रस्तुति सराहनीय रही।इस अवसर पर छात्रों द्वारा प्रभु ईसामसीह के जीवन पर आधारित नाटिका प्रस्तुत की गई। यूकेजी के छात्रों द्वारा लाल रंग के परिधानों में सज्जित होकर सेंटा क्लॉज का स्वागत किया गया । प्रधानाचार्या जी ने बच्चों के साथ मिलकर केक काटते हुए कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।

जिलाधिकारी द्वारा महर्षि बाबा अयोध्या दास गौशाला सरायुसूफ मछलीशहर का किया गया औचक निरीक्षण

जौनपुर सू.वि. : जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के द्वारा महर्षि बाबा अयोध्या दास गौशाला सरायुसूफ मछलीशहर का औचक निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान पाया कि गो–आश्रय स्थल में कुल 96 गोवंश संरक्षित किए गए हैं। जिनके लिए पर्याप्त भूसा चारा उपलब्ध मिला। जिलाधिकारी ने ग्राम प्रधान मृत्युंजय बिंदु को निर्देशित किया कि गो–आश्रय स्थल की नाली को ठीक कराएं। जिलाधिकारी ने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि जनपद की सभी गो–आश्रय स्थल के गोपालको एवं ग्राम प्रधानों की केबीके बक्सा में प्रशिक्षण कराएं। उन्हें बताए कि कैसे गोमूत्र एवं गोबर का सदुपयोग कृषि कार्य में किया जा सके। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि पशुओं को ठंड से बचने के सभी प्रकार के उपाय सुनिश्चित किए जाए। ठंड से

किसी भी गोवंश की मृत्यु न हो अन्यथा कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

गांधी भवन मे किया गया कम्बल वितरण कार्यक्रम

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : आज जनपद मुख्यालय स्थित गाँधी सभागार में राजस्व विभाग के सौजन्य से कम्बल वितरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आबकारी एवं मद्य निषेध नितिन अग्रवाल रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में माननीय जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती, मा0 सांसद जयप्रकाश, नगर पालिका अध्यक्ष सुखसागर मिश्र मधुर, भाजपा जिलाध्यक्ष सौरभ मिश्रा, ब्लॉक प्रमुख अहिरोरी व टड़ियावां आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। कम्बल वितरण कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने कहा कि सरकार सदैव आम नागरिकों के साथ खड़ी थी, खड़ी है और खड़ी रहेगी। उन्होंने इसके उदाहरण के रूप में मुफ्त राशन योजना व कम्बल वितरण कार्यक्रम का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि योजनाओं में भ्रष्टाचार समाप्त होने से आमजन योजनाओं का पूरा लाभ ले रहे हैं। माननीय सांसद ने ससमय कम्बल वितरण कार्यक्रम के लिए प्रशासन की सराहना

की। कार्यक्रम के दौरान लगभग 800 कम्बल वितरित किये गए। कम्बल पाकर लाभार्थी काफी प्रसन्न नजर आए। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट डॉ सदानन्द गुप्ता, उपजिलाधिकारी सदर स्वाती शुक्ला, सदर तहसीलदार प्रतीत त्रिपाठी व जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार आदि उपस्थित रहे।

27 दिसम्बर 2022 को रोजगार मेला का होगा आयोजन

जौनपुर सू.वि. : जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निर्देश के क्रम में जिला सेवायोजन कार्यालय परिसर (निकट नारायण नर्सिंग होम रासमण्डल होटल रिवर ब्यू के सामने) जौनपुर में हाईस्कूल, इण्टर, एवं स्नातक उत्तीर्ण 150 बेरोजगार अभ्यर्थियों को निजी क्षेत्र की कम्पनियों में सेवायोजित कराये जाने हेतु रोजगार मेला का आयोजन 27 दिसम्बर 2022 को प्रातः 10 बजे कार्यालय कैम्पस में किया गया है, जिसमें कुल 05 कम्पनियों के द्वारा प्रतिभाग किया जाना है, जो साक्षात्कार के माध्यम से योग्यतानुसार विभिन्न पदों पर भर्ती करेगी। जिला सेवायोजन अधिकारी राजीव कुमार सिंह ने बताया कि रोजगार मेला में सम्मिलित होने के लिए अभ्यर्थियों को अपने साथ समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्रों की छायाप्रति आई0डी पूफ सहित प्रतिभाग कर सकते, एवं वेब पोर्टल www.sewayojan.up.nic.in के माध्यम से भी जनपद के अभ्यर्थियों को अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करने की अपील की है।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–

जहां अभिमान होता है वहां अपमान की फीलिंग जरुर आती है।

–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

सम्पादकीय

तालिबान का फरमान और मलाला

मलाला न केवल पाकिस्तान और कई अन्य देशों में शिक्षा पर काम कर रही हैं, बल्कि वह और उनके पिता जियाउद्दीन यूसुफजई वास्तव में अफगानिस्तान में भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

नवविवाहिता मलाला यूसुफजई जब शादी के बाद पहली बार अपने शौहर के साथ लाहौर एयरपोर्ट पर उतरी थीं, तब मैंने ट्वीट किया था, 'वेलकम बैक क्वीन'। पंजाब की प्रांतीय राजधानी में करीब हफ्ते भर के उनके प्रवास के दौरान उनके अभिभावक भी साथ थे। वह स्कूली छात्राओं को विज्ञान, इंजीनियरिंग, गणित और कला की पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करने के साथ ही ऑक्सफोर्ड पाकिस्तान कार्यक्रम के तहत अपने काम से भी परिचित कराने के लिए आई थीं। मलाला नोबेल से सम्मानित पाकिस्तान की दूसरी शख्स हैं। वह तीन बार पाकिस्तान आ चुकी हैं और आखिरी बार वह देश में आई भीषण बाढ़ से बुरी तरह से प्रभावित सिंध में मदद के लिए आई थीं।

लाहौर की इस यात्रा का यह मतलब भी था कि वह अपने घर स्वात नहीं जा सकेंगी, क्योंकि वहां प्रतिबंधित आतंकी संगठन तहरीक तालिबान पाकिस्तान फिर से सक्रिय हो गया है और जिसकी वजह से वहां के हालात बदतर हैं। ऐसा लगता है कि स्वात तथा उत्तरी पाकिस्तान के कुछ हिस्सों में कुछ भी नहीं बदला है। मलाला को तब अपना घर छोड़ना पड़ा था, जब उग्रवादियों ने लड़कियों की शिक्षा का विरोध किया। और जब सुरक्षा बलों ने इस क्षेत्र में अपना दखल बढ़ाया, तब जीवन सामान्य स्थिति की ओर लौटने लगा। इन दिनों वहां नागरिक उग्रवाद के खिलाफ नारे लगाते हुए शांति रैलियां निकाल रहे हैं और सरकार से अपने जीवन की सुरक्षा की मांग कर रहे हैं।

मलाला न केवल पाकिस्तान और कई अन्य देशों में शिक्षा पर काम कर रही हैं, बल्कि वह और उनके पिता जियाउद्दीन यूसुफजई वास्तव में अफगानिस्तान में भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। पिता और पुत्री हर संभव मंच से आवाज उठा रहे हैं और तालिबान सरकार से लड़कियों को स्कूल जाने की इजाजत देने की मांग कर रहे हैं। लेकिन वास्तव में जब लड़कियों की शिक्षा की बात आती है, तो शक्ति काबुल में नहीं, बल्कि कंधार में नेतृत्व के पास होती है, जो ऐसे मामलों में निर्णय लेते हैं। मलाला ने हाल ही में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ और उनके कुछ मंत्रियों से न्यूयॉर्क में मुलाकात की थी। एक बहुत ही दिलचस्प वीडियो था, जिसमें मलाला ने प्रधानमंत्री को बधाई देने के लिए अपना हाथ बढ़ाया, लेकिन वह इसके बजाय प्यार से अपना हाथ उनके सिर पर रखते हैं, जैसा कि पूर्वी परंपरा है, और हाथ नहीं मिलाते हैं।

इस हफ्ते मलाला ने विपक्ष के नेता और पंजाब के मुख्यमंत्री चौधरी परवेज इलाही से मुलाकात की, क्योंकि उनके कुछ प्रोजेक्ट्स पंजाब में भी चल रहे हैं। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मैं राजनीतिक रूप से सही होने के बारे में कभी चिंता नहीं करती। मैं सिर्फ सच के साथ होना चाहता हूं। मेरे लिए यह सबसे महत्वपूर्ण चीज है। मैं विशेषज्ञों के काम में यकीन करती हूं। हम शोध और उपलब्ध आंकड़ों को देखते हैं। जब मैं शिक्षा की वकालत करती हूं, तो हम देखते हैं कि डाटा हमें क्या बताता है।'

पाकिस्तान की ओर से भी कई बार तालिबान से कहा गया है कि कुछ अन्य मांगों को स्वीकार करने के साथ वह लड़कियों की शिक्षा को अनुमति दे, तो उसे आधिकारिक तौर पर मान्यता देने का रास्ता खुल सकता है। पाकिस्तानी विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने न्यूयॉर्क में एक इंटरव्यू में इस तरह की बात की थी। उनके अलावा विदेश राज्यमंत्री हिना रब्बानी खार ने काबुल की अपनी पहली यात्रा के दौरान ऐसा कहा था, लेकिन अफगानिस्तान के हालात देखकर लगता नहीं कि ऐसा हो पाएगा। पाकिस्तान ने तालिबान के किसी पुरुष राजनयिक को भेजे जाने पर जोर देने के बावजूद एक उच्च शिक्षित एक वरिष्ठ महिला को काबुल भेजकर स्पष्ट संदेश देने की कोशिश की। विदेश राज्यमंत्री रब्बानी जब– बिना बुर्के या चादर, जैसा कि अफगान महिलाएं पहनती हैं– सिर्फ दुपट्टा डाले काबुल हवाई अड्डे पर उतरीं, तो कई लोग हैरत में पड़ गए थे। मेरे लिए रब्बानी की सबसे बड़ी उपलब्धि यही है कि उन्होंने वहां अफगान महिला व्यवसायियों से भी मुलाकात की। वहां उन्होंने उनके साथ भोजन किया और एलान किया कि पाकिस्तान की नई व्यापार नीति में अफगान महिलाओं से आयात को प्राथमिकता दी जाएगी।

दुनिया जब भी तालिबान के साथ बातचीत करती है, तो लड़कियों की शिक्षा को हर चर्चा में सबसे ऊपर रखती है। लेकिन काबुल पर कब्जा करने के बाद से तालिबान इस मुद्दे पर जरा भी झुकने को तैयार नहीं हैं। इस बीच, अफगान के शिक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने जब लड़कियों के लिए उच्च शिक्षा पर प्रतिबंध का एलान किया, तो दुनिया के विभिन्न हिस्सों में इस पर तीखी प्रतिक्रिया हुई। अगस्त, 2021 में तालिबान ने सत्ता में कब्जे के बाद लड़कियों के स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया था। मार्च में उसने माध्यमिक स्कूलों में लड़कियों के लौटने पर प्रतिबंध लगाया।

मैं तब सही थी, जब मैंने कहा था कि मुझे कोई उम्मीद नहीं। पाकिस्तान ने निराशा व्यक्त करते हुए तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है और काबुल की सत्ता से आग्रह किया है कि वह अफगान महिलाओं और छात्राओं की उच्च शिक्षा पर रोक लगाने के अपने फैसले पर फिर से विचार करे। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि हम दृढ़ता से मानते हैं कि इस्लाम के अनुसार प्रत्येक पुरुष और महिला को शिक्षा का अंतर्निहित अधिकार है। विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने विश्वविद्यालयों में महिलाओं के प्रवेश पर तालिबान के प्रतिबंध पर निराशा व्यक्त की है। लेकिन इसके साथ ही उन्होंने कहा, मुझे अभी भी लगता है कि काबुल और अंतरिम सरकार से संवाद के जरिये ही हम अपने लक्ष्य हासिल कर सकते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने इस्लामाबाद में ओआईसी की बैठक में कहा कि मेरी सबसे बड़ी चिंता यह है कि अफगानिस्तान अफरा–तफरी की ओर बढ़ रहा है।

मीडिया से बात करते हुए मलाला ने कहा, 'मैं अफगानिस्तान की महिलाओं और लड़कियों के लिए उम्मीद से भरी हुई हूं, जिसकी एक वजह अफगान महिलाओं द्वारा अभी उठाए जा रहे कदम हैं। वे हार नहीं मान रही हैं। वे सड़कों पर अपने अधिकारों के लिए नारे लगा रही हैं, और लड़कियां शिक्षा के अपने अधिकार के लिए चीख रही हैं। यह कुछ ऐसा है, जो मुझे आशा देता है।'

ये लेखक के अपनें विचार हैं।

एसकेडी एकेडमी डिग्री कालेज में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का किया गया बृहद आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। एसकेडी एकेडमी डिग्री कालेज में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसके अन्तर्गत विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। जिसमें अलग–अलग कोर्सेज बी0एड0, डी0एल0एड0, बी0कॉम0 व बी0एस–सी के सभी बच्चों ने भाग लिया। 100 मीटर दौड़, बास्केटवाल, लांग जम्प, बैडमिंटन, वालीबॉल, शॉटपुट आदि सभी प्रतियोगिताओं में गर्ल्स एवं ब्वायज की अलग अलग टीमों ने भाग लिया। कहीं पर बी0एड0 के लड़के व लड़कियों ने बास्केटबाल मैच में स्वर्ण पदक हासिल किया तो बी0कॉम के बच्चे रनरअप रहे। वहीं वालीबॉल, शाटपुल, बैडमिंटन आदि सभी खेलों में बच्चों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। विजयी टीमों को विजेता टीम की ट्राफी के साथ स्वर्ण, रजत व कांस्य पदक से सम्मानित किया गया एवं सर्टीफिकेट भी दिये

गये। बेस्ट एथलीट को भी ट्राफी दी गई। साथ ही सभी खिलाड़ियों को खेलों में भाग लेने पर सर्टीफिकेट प्रदान किये गये। इस अवसर पर संस्था के निदेशक मनीष सिंह ने कहा कि 'खेलकूद सभी के लिए लाभप्रद है इसको करने से शारीरिक व मानसिक विकार सहजता पूर्वक दूर किये जा सकते हैं'।

बाटला रसोई का महापौर ने फीता काटकर किया शुभारम्भ

संवाददाता प्रवीण सिंह चंदेल कानपुर नगर : कानपुर नगर –शुक्रवार को शास्त्री नगर सिंधी कॉलोनी के पास कानपुर की महापौर श्रीमती प्रमिला पांडे द्वारा बाटला दी रसोई का फीता काटकर शुभारंभ किया गया बाटला दी रसोई के मालिक शिवम बाटला ने बताया कि उनके यहां वेज और नॉनवेज दोनों प्रकार के व्यंजन उपलब्ध रहेंगे तंदूर के व्यंजनों की खास व्यवस्था रहेगी उन्होंने बताया कि करोना को देखते हुए स्वछता और साफ सफाई का भी विशेष ध्यान दिया जायेगा यहां फुल फैमिली रेस्टोरेंट है तथा बैठने की और साफ–सफाई की हर प्रकार की सुविधा उपलब्ध है उनके इस उद्घाटन

समारोह के अवसर पर अंशी बाटला, रविंदर बाटला, सीमा बाटला आदि लोग उपस्थित रहे!

नर्सिंग की छात्रा ने डाक्टर पर लगाया शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने का आरोप

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : जिले में तैनात एक डाक्टर पर इलाज करने के दौरान नर्सिंग की छात्रा को शादी का झांसा देते हुए उसके साथ शारीरिक शोषण करने का आरोप लगा है। छात्रा का कहना है कि बाद में डाक्टर ने शादी से इंकार ही नहीं किया बल्कि उसने और उसके सालों ने गाड़ी चढ़ा कर मार डालने की धमकी तक दे डाली। पुलिस ने डीएम के आदेश पर सीएचसी टोडरपुर में तैनात डाक्टर और उसके सालों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है। कोतवाली शहर के आशा नगर की रहने वाली युवती ने डीएम से लगाई गुहार में कहा कि वह अपनी बीमारी का इलाज कराने के लिए डा.उमेश पुत्र चेतराम निवासी कोयल बाग कालोनी के पास गई। जहां उमेश ने उससे उसे शादी कर उसके नाम नौकरी का आधा वेतन और प्लाट दिलाने का झांसा देते हुए सम्बंध बना कर शारीरिक शोषण किया। जब उसने शादी की बात कही तो डा. उमेश ने उससे इंकार कर दिया। काफी कहने के बाद आरोपी डाक्टर ने उसे 8 दिसंबर को कचहरी बुलाया,वह कचहरी पहुंची, लेकिन डा.उमेश वहां नहीं पहुंचा और मोबाइल का स्विच ऑफ कर लिया। युवती ने आगे कहा कि डा.उमेश, उसके भाई पप्पू और साले सुशील व अंकित ने उसे गाड़ी से कुचल कर मार डालने की धमकी भी दी। डीएम के आदेश पर कोतवाली शहर पुलिस ने डा.उमेश, उसके भाई पप्पू और साले सुशील व अंकित के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है। फीस के दो लाख रुपये हड़पे युवती की तहरीर पर दर्ज हुई रिपोर्ट में कहा गया है कि वह नर्सिंग का कोर्स कर रही थी। डा.उमेश ने उससे दो लाख रुपये,जो कि उसने फीस जमा करने के लिए किसी तरह जुटाए थे, बरगलाते हुए ले लिए, लेकिन जब उसने अपने रुपये मांगें तो डा.उमेश, उसके भाई और सालों ने जान से मार डालने की धमकी दी।

उत्तर प्रदेश नये भारत का युवा चेहरा है –ए के शर्मा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। पीएचडी चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री व एंजल नेटवर्क्स द्वारा शुक्रवार को लखनऊ में आयोजित ''उत्तर प्रदेश रिटेल एमएसएमई – स्टार्टअप – एक्सपो – कॉन्क्लेव'' का आयोजन गोमतीनगर, लखनऊ में किया गया। यूपी और देश में स्टार्ट–अप ईको सिस्टम को प्रोत्साहित करने के लिए यूपी सरकार के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए के शर्मा जी बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। श्री ए के शर्मा ने प्रदर्शनी के स्टॉलों पर स्वयं जाकर अवलोकन किया। उन्होंने वेंडर्स और स्टार्ट अप्स से उनके उत्पादों के बारे में विस्तार से बात की। कॉन्क्लेव में उपस्थित युवाओं एवं स्टार्टअप कर रहे उद्यमियों को सम्बोधित करते हुए मंत्री श्री ए के शर्मा जी ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश अवसरों, संभावनाओं के प्रदेश के रूप में उभर रहा है। उत्तर प्रदेश भारत की 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का सबसे मजबूत स्तंभ होगा। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी प्रगति के लिए स्वयं की सांस्कृतिक मजबूती बहुत महत्वपूर्ण होती है। पुरानी परंपरा के साथ नवाचार जीवन और व्यवसाय में आगे बढ़ाने में बहुत उपयोगी होता है। उन्होंने कहा कि भारत वैज्ञानिकों और अन्वेषकों का देश रहा है। धनुष और बाण एक मितव्ययी एवं उपयोगी आविष्कार था। लेकिन उस शब्द भेदी वाण में उसी समय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का आविष्कार हो गया। ऐसा ही आविष्कार पुष्पक विमान था। हम उद्यमियों, अन्वेषकों की भूमि रहे हैं। हमें अपनी इस विरासत पर गर्व होना चाहिए। बहुत सारा अनाज बर्बाद हो जाता है। इसी प्रकार शहरी क्षेत्रों में अपशिष्ट प्रबंधन एक चुनौती है। स्टार्टअप इन क्षेत्रों में काम कर सकते

हैं। हमारी सरकार की प्राथमिकता स्टार्ट–अप को सुविधा देना है। मैं माता–पिता रूपी अभिभावकों से भी आग्रह करूंगा कि वे अपने बच्चों को उद्यम और इनोवेशन करने दें। केंद्र और राज्य दोनों सरकारें उनके साथ हैं। यूपी की 60: से ज्यादा आबादी कामकाजी उम्र की है। इस राज्य के युवाओं की क्षमताएं बहुत मजबूत हैं। वे स्टार्टअप क्षेत्र में बहुत कुछ कर सकते हैं और स्टार्टअप ही भविष्य है। 50: से अधिक यूनिकॉर्न का नेतृत्व उत्तर प्रदेश के लोगों द्वारा किया जाता है। इसी तरह 70: से अधिक एंजेल फंड का नेतृत्व यूपी के लोग करते हैं। यूपी में 8000 से अधिक स्टार्टअप हैं, लेकिन केवल चार यूनिकॉर्न हैं। अब यूपी सरकार उनकी सुविधा के लिए प्रतिबद्ध है। नये प्रयोगों और प्रौद्योगिकी की बहुत संभावनाएं हैं। बुंदेलखंड के क्षेत्र में स्टार्टअप्स की मदद से जल प्रबंधन की बहुत बड़ी संभावना है। डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर स्टार्टअप के लिए बड़े अवसर प्रदान कर रहा है। मैं कहूंगा कि अपने राज्य के बारे में अच्छी बातें करना शुरू करें, अब स्थिति बदल गई है। यूपी में होना, यूपी का होना गर्व की बात है। यूपी भारत की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। तकनीकी शिक्षा के बिना हम तकनीकी क्षेत्र में पर्याप्त काम नहीं कर सकते। आपको दूसरों के लिए व्यवसाय और नौकरी के अवसर बनाने पड़ेंगे। आपको उत्तर प्रदेश की नई कहानी बतानी है। यूपी में जो शासन घाटा था वह बीजेपी के आने से खत्म हो गया है। यूपी सरकार ने सभी को यूपी में बिजनेस करने का मौका दिया। उत्तर प्रदेश न्यू इंडिया का चेहरा है। कृपया यूपी के राजदूत बनें और लोगों और निवेशकों को बताएं कि अगर वे धन कमाना चाहते हैं तो उन्हें यूपी में होना चाहिए। यदि वे कल्याण और धन चाहते हैं–उन्हें यूपी में होना चाहिए।

दबंगों ने साजिश कर अधिवक्ता के खिलाफ रचा षडयंत्र

संवाददाता प्रवीण सिंह चंदेल कानपुर नगर : कानपुर शहर के बर्रा क्षेत्र के निवासी अधिवक्ता शीलेंद्र सिंह के विरुद्ध साजिश के तहत 26 नवंबर को कुछ दबंग किस्म के व्यक्तियों द्वारा उन्हें विवाद हेतु उकसाया गया जिसके पश्चात उनके ऊपर गंभीर धाराओं में मुकदमा लगाकर उन्हें मानसिक व सामाजिक रूप से परेशान किया गया जिसके तहत अधिवक्ता सिलेंद्र सिंह पर आईपीसी की धारा 452,323,504,506,326,394,147 के तहत जेल भेजने का षडयंत्र रचा गया जिसमे विवेचना के दौरान धारा कुछ धाराओं में होना नही पाया गया जिसके चलते अधिवक्ता को सेम दे बेल पर रिहा किया गया । राजनीतिक रसूख रखने वाले दबंगों द्वारा अधिवक्ता को कुछ चौनलो व अखबारों में दबंग बता कर उन्हे सामाजिक रूप से बदनाम करने का भी कार्य किया गया। जिसके चलते आज अधिवक्ता ने घटना स्थल पर पहुंच कर अपने ऊपर हुए अत्याचार की सारी कहानी स्वयं बताई कि किस तरह उन्हें एक षडयंत्र के तहत सामाजिक रूप से उनकी छवि को खराब किया

गया हैं । जिसके चलते सूत्रों की माने तो अधिवक्ता शीलेंद्र सिंह मानसिक प्रताड़ना के कारण कुछ दिन अस्पताल में भी भर्ती रहे जिसके बाद अधिवक्ता शीलेंद्र ने आज डीआईजी कानपुर से इस प्रकरण को लेकर मुलाकात की एवं शिकायती पत्र डीआईजी महोदय को दिया जिसमे डीआईजी कानपुर ने एसीपी को अधिवक्ता शीलेंद्र सिंह के प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर रिपोर्ट प्रेषित करने के आदेश जारी किए। अब देखते है कि जांच के क्रम में क्या तथ्य इस पूरे घटनाक्रम के सामने आते है।

लिंग आधारित हिंसा के विरुद्ध कार्यशाला का हुआ समापन

संवाददाता प्रवीण सिंह चंदेल कानपुर नगर : लिंग आधारित हिंसा के विरुद्ध अभियान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में दिनांक 25 नवंबर 2022 से 23 दिसंबर 2022 तक चलाए गए आयोजन का समापन दिनांक 23 दिसंबर 2022 को विकास भवन कानपुर में किया गया कार्यक्रम राष्ट्रीय जेंडर अभियान के अंतर्गत कार्यशाला जिला मिशन प्रबंधन इकाई राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन भारत सरकार के द्वारा आयोजित किया गया कार्यक्रम में ग्रामीण एवं शहरी महिलाओं को महिलाओं के कानूनी अधिकारों एवं महिलाओं की सुरक्षा शिक्षा एवं लिंग आधारित हिंसा के विरुद्ध जानकारी प्रदान की गई कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में माननीय अपर जिला जज एटीसी कोर्ट एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती शुभी गुप्ता जी एवं एडीएम सदर कानपुर नगर एवं राष्ट्रपति जी द्वारा सम्मानित वरिष्ठ समाज सेविका एवं अधिवक्ता श्रीमती नम्रता दुबे मुख्य वक्ता के रूप में

उपस्थित रहे कार्यक्रम में कानपुर जिला एवं कानपुर देहात की सैकड़ों महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया एवं कई महिलाओं को चौंपियन के खिताब से नवाजा गया कार्यक्रम में श्री राजकुमार यादव जी श्री राजेश कुमार दुबे जी अनीता द्विवेदी जी आरती जी एडवोकेट उषा जी की मुख्य उपस्थिति रहीं।

समर्पण महिला उत्थान समिति प्रदेश अध्यक्ष ने शारदा माता के दरबार में मत्था टेका

संवाददाता प्रवीण सिंह चंदेल कानपुर नगर : श्री अटल फाउंडेशन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में विश्व ब्राह्मण महासभा एवं भारतीय ब्राह्मण परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री धर्मेंद्र शुक्ला का आगमन हुआ सर्वप्रथम पंडित धर्मेंद्र शुक्ला ने मैहर शारदा माता के दरबार में हाजिरी लगा दर्शन किया। पत्रकार वार्ता के दौरान श्री शुक्ला ने बताया कि संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय अनीता मिश्रा जी के प्रतिनिधि के रूप में यहां पर उपस्थित हुआ हूं माता के दरबार में समस्त जनकल्याण की कामना करते हैं श्री शुक्ला ने कहा कि कोरोना की लहर पुनः आ रही है ऐसा कहा जा रहा है सभी सावधानी वा कोविड़ नियमो का पालन करे मां शारदा के दर्शन कर श्री शुक्ला सतना मुख्यालय के लिऐ रवाना हुए सतना कलेक्ट्रेट परिसर में श्री अटल फाउंडेशन न्यास का गठन हुआ श्री धर्मेन्द्र शुक्ला को फाउंडेशन का संरक्षक बनाया गया फाउंडेशन के अध्यक्ष राकेश कुमार द्विवेदी ने बताया कि संस्था का उद्देश्य गरीब कन्याओं की शिक्षा व गरीबों को सस्ते आवास मुहैया कराना जरूरतमंदों के लिए निशुल्क एंबुलेंस व्यवस्था वह सस्ता

इलाज और युवाओं को रोजगार परक प्रशिक्षण के माध्यम से स्वावलंबी बनाना है इस मौके पर संस्था के उपाध्यक्ष सुनील पाण्डेय, कोषाध्यक्ष डॉक्टर रामराज कश्यप, सचिव धर्मपाल कश्यप, बृजभान प्रसाद, अनीता कश्यप, नमन कश्यप, आदि मौजूद रहे ।

राष्ट्रीय जूनियर खो–खो प्रतियोगिता में राजधानी के कृष्णा मिश्रा और अदिति सिंह चयनित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ– दिनांक 25 से 30 दिसम्बर तक पश्चिम बंगाल के हुगली शहर में राष्ट्रीय जूनियर बालक बालिका खो–खो प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें उ0प्र0 की टीम में बालिका वर्ग में राजधानी की अदिति सिंह व बालक वर्ग में कृष्णा मिश्रा ने जगह बनायी है। अदिति सिंह सेंट जोसेफ स्कूल राजाजीपुरम का छात्रा है वही कृष्णा यिश्रा गांधी विद्यालय इंटर कॉलेज आलमबाग की छात्र है। इन्होंने राष्ट्रीय जूनियर खो–खो प्रतियोगिता मे चयनित होकर अपने विद्यालय के साथ–साथ राजधानी का नाम भी रोशन किया है। उ0प्र0 की टीम का फाइनल चयन भारतीय खेल प्राधिकरण के एनआईएस विनय और सपना पांडे के द्वारा किया गया। साथ ही बालक–बालिका की टीम के खिलाड़ियों को किट का वितरण लक्ष्मण पुरस्कार प्राप्त व विवेकानंद यूथ एवार्ड से सम्मानित रवि कांत मिश्रा, एवं अजीत सिंह यादव के द्वारा किया गया। खो–खो संघ के प्रकाश मिश्रा ने बताया की राष्ट्रीय खो–खो प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिये दोनों टीमें 24 दिसम्बर को प्रयागराज से

हुगली के लिये रवाना होगी जहां 25 से 30 दिसम्बर तक प्रतियोगिता चलेगी। इस अवसर पर सें जोसफ समूह की संस्थापक अध्यक्ष पुष्पलता अग्रवाल ने उ0प्र0 की बालक बालिका दोंनों टीमों को विजयी होने की कामनाओं के साथ अपना आशीर्वाद प्रदान किया।

साहिबजादा जोरावर फतेहसिंह का बलिदान सदा देगा प्रेरणा –कुलसचिव

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के संकाय भवन स्थित कान्फ्रेंस हाल में शुक्रवार को उच्च शिक्षा विभाग,उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश के क्रम में गुरुगोविंद सिंह के साहिबजादे ''महान वीर एवं सर्वोच्च बलिदानी साहिबजादा जोरावर सिंह व फतेह सिंह का अमर बलिदान पर कृतज्ञ राष्ट्र'' विषयक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह आयोजन जनसंचार विभाग की ओर से आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि गुरुगोविंद सिंह के बलिदानियों सुपत्रों जैसा अपूर्व साहस किसी भी देश के इतिहास में नही मिलता है जहां अपने सिद्धांत पर बलिदान होना स्वीकार हो। उन्होंने कहा कि साहिबजादा जोरावर एवं फतेहसिंह ने अपने बलिदान से जिस इतिहास का सृजन किया है वह सभी भारतीयों को सदा प्रेरणा देगा। प्रतियोगिता के समन्वयक एवं जनसंचार विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज मिश्र ने कवि के कथन को संदर्भित करते हुए कहा कि कहीं पर्वत झुके भी हैं–कहीं दरिया रुके भी हैं–नही रुकती जवानी है–नहीं रुकती रवानी है। उन्होंने कहा कि धन्य है गुरुगद्दी परम्परा,गुरु पुत्र और अपनी पुण्य धरा जहां गुरुगोविंद सिंह जी के ऐसे सच्चे सपूतों ने जन्मलिया जिन्होंने अन्याय के सामने सिर नही झुकाया और हंसते– हंसते अपने

स्वाभिमान–धर्म के लिए दीवार में चुन लिया जाना स्वीकार किया। अध्यक्षता करते हुए प्रो. प्रदीप कुमार ने कहा कि ऐसे वीर बलिदानियों का स्मरण युवा पीढ़ी को राष्ट्र स्वाभिमान के प्रति जागृत करेगा। आज इनके बलिदान के यथार्थ को जान कर हमारे विद्यार्थी आत्मसम्मान और राष्ट्र प्रेम से सिंचित होंगे। भाषण प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल द्वारा विश्वविद्यालय के विद्यार्थी उद्देश्य सिंह को प्रथम, आदित्य नारायण दुबे को द्वितीय एवं विशाल यादव को तृतीय पुरस्कार दिया गया। निर्णायक मंडल के रूप में डॉ अनु त्यागी,डॉ. झांसी मिश्रा एवं डॉ दिव्येन्दु मिश्र रहे। स्वागत डॉ मनोज कुमार पांडेय द्वारा एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ विनय कुमार वर्मा ने किया। इस अवसर पर परिसर के शोधार्थी एवं विभिन्न विभागों के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

गणितज्ञ रामानुजन ने कम उम्र में महान उपलब्धियां हासिल की –कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) संस्थान के गणित विभाग में महान भारतीय गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की 135 वी जयंती पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने महान गणितज्ञ रामानुजन के शोध कार्यों, उपलब्धियों, उनके योगदान को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि कि रामानुजन कम आयु में लगभग 3900 प्रमेय और 120 सूत्रों को प्रकाशित किया। अतिथियों का स्वागत उद्बोधन रज्जू भैया संस्थान के निदेशक प्रो० देवराज सिंह ने किया। संगोष्ठी में प्रो. मिथिलेश सिंह ने विषय प्रवर्तन किया। मुख्य अतिथि ने प्रो. सत्यदेव ने कहा कि श्रीनिवास रामानुजन 'फेलो ऑफ रॉयल सोसाइटी' के सबसे पहले फेलो थे जिनको गणित के अनूठे योगदान के कारण उनको फेलोशिप दी गयी। प्रो. देव ने मूलभूत गणितीय सूत्रों के माध्यम से रामानुजन टैक्सी नंबर, अंकों के क्रमचय से विभिन्न प्रकार के बनने वाले रजिस्ट्रेशन नंबर के निर्मित करने के बारे में वर्णन किया।आयोजन सचिव डॉ दीपक कुमार मौर्य ने मुख्य

वक्ता डॉ. अमित कुमार वर्मा का परिचय कराया। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान पटना के गणित विभाग से आये डॉ. वर्मा ने रामानुजन योग, रामानुजन वर्ग, रामानुजन क्यूब, रीमान जीटा फंक्शन, शोध पत्रों को प्रकाशित करने हेतु रामानुजन जर्नल आदि के बारे में विस्तार से बताया। डॉ सौरभ कुमार सिंह ने संचालन व धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर प्रो.रजनीश भास्कर, डॉ राज कुमार, डॉ प्रमोद कुमार यादव, डॉ. गिरिधर मिश्र, डॉ प्रमोद कुमार, डॉ मिथिलेश यादव,डॉ. सुनील कुमार, डॉ. नितेश जायसवाल, डॉ. श्याम कन्हैया, डॉ.नीरज अवस्थी, डॉ श्रवण कुमार, डॉ. सुशील शुक्ला, डॉ सुजीत चौरसिया, अन्य शिक्षक एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।

जमीनी विवाद में मारपीट एक पक्ष के आधा दर्जन से अधिक घायल

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : सुजानगंज थाना क्षेत्र के सकापुर गांव में आबादी के जमीन के रास्ते को लेकर पुरानी रंजिश में रोहित पुत्र अमरनाथ का गांव के सभाजीत पुत्र राधेश्याम आदि से पुरानी रंजिश चल रही थीं जिसमे रास्ते के विवाद को लेकर दबंगो ने एक पक्ष के ऊपर जानलेवा हमला कर किया। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने घायल हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना की जानकारी के बाद भी पुलिस मौके पर नहीं पहुंची वही जब पीड़ित की थाने पर कोई सुनवाई नहीं हो रही है पीड़ित न्याय के लिए दर दर भटक रहा है लेकिन न्याय नही मिल रहा था मारपीट में आधा दर्जन से अधिक पीड़ित का परिवार घायल है पीड़ित के शिकायत के बावजूद भी थानाध्यक्ष सुजानगंज शिकायत नहीं दर्ज किया तो पीड़ित न्याय के लिए अपर

पुलिस अधीक्षक डॉ संजय कुमार सिंह से मुलाकात कर अपनी आप बीती सुनाते हुए मामले में न्याय की गुहार लगाई है। अपर पुलिस अधीक्षक ने कार्यवाही करने का भरोसा दिलाया है। अब देखना ये होंगा की पीड़ित को कब तक न्याय मिल पाता है।

थाना चन्दवक पुलिस द्वारा अपहरण, दुष्कर्म व पाक्सो एक्ट से संबन्धित अपहृता बरामद तथा वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर डा0 संजय कुमार के कुशल निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी केराकत श्री गौरव शर्मा के निकट पर्यवेक्षण में कार्यवाही करते हुए दिनांक 23.12.2022 की शाम प्रभारी निरीक्षक श्री विजय शंकर सिंह के कुशल नेतृत्व में चन्दवक पुलिस द्वारा मुखबिर खास की सूचना पर थाना स्थानीय के मु0अ0सं0 196/22 धारा 363/366/376 भादवि व 3/4 पाक्सो एक्ट से संबंधित अपहृता को अभियुक्त दीपक कुमार गौड़ पुत्र शंकर गौड़ निवासी मारिकपुर थाना चन्दवक जनपद जौनपुर के कब्जे से बरामद कर अभियुक्त दीपक कुमार गौड़ को मारिकपुर मोड़ निकट खुज्झी तिराहा से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तद् दीपक कुमार गौड़ पुत्र शंकर गौड़ निवासी मारिकपुर थाना चन्दवक जनपद जौनपुर। आपराधिक इतिहास– मु0अ0सं0 196/22 धारा 363/366/376 भादवि व 3/4 पाक्सो एक्ट थाना चन्दवक जनपद जौनपुर । गिरफ्तार करने वाले पुलिस टीम के सदस्यों का विवरण– 1–प्रभारी निरीक्षक श्री विजय शंकर सिंह थाना

चन्दवक जनपद जौनपुर। 2–उ0नि0 अरूण पाण्डेय थाना चन्दवक जनपद जौनपुर । 3–हे0कां0 तृपित नारायण सिंह थाना चन्दवक जनपद जौनपुर । (विजय शंकर सिंह) 4–म0कां0 अन्तिम थाना चन्दवक जनपद जौनपुर । प्रभारी निरीक्षक थाना चन्दवक जनपद जौनपुर।

समर विहार मे सड़क चौडीकरण प्रारंभ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। सभी सुविधाओं से युक्त समर विहार कॉलोनी, आलमबाग, लखनऊ अपनी सुंदरता, परस्पर सद्भाव और सुंदर पार्कों के कारण क्षेत्र मे चर्चित रही है। परंतु कॉलोनी से होकर लंगड़ा फाटक तक मुख्य सड़क हो जाने के कारण इस 4 मीटर चौडी सड़क पर यातायात की अधिकता से यदा कदा यहाँ एक्सीडेंट भी होते रहते हैं। शाम के समय सड़क के

किनारे प्रतिदिन सब्जी मंडी लगने के कारण यहाँ पैदल चलना भी दूभर हो जाता है। समर विहार वेल्फेयर असोसिएशन के अध्यक्ष कृपाल सिंह ऐबट के अनुरोध पर क्षेत्र के पार्षद और प्रसिद्ध समाजसेवी गिरीश मिश्रा ने समस्या के आंशिक निराकरण हेतु सड़क चौडी करने का बीड़ा उठाया और नगर निगम के सौजन्य से आज से 4 मीटर के स्थान पर 7 मीटर चौडी सड़क का निर्माण प्रारंभ भी हो गया। इस सूचना से क्षेत्र वासियों ने बहुत राहत अनुभव किया और कृपाल सिंह ऐबट और गिरीश मिश्रा के प्रति आभार व्यक्त किया।

जेसीआई चेतना ने कैंप लगाकर गरीबों में किया कंबल वितरण

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : जेसीआई जौनपुर चेतना द्वारा आयोजित निशुल्क कंबल वितरण कार्यक्रम संस्था की नव चयनित अध्यक्ष सोनी जायसवाल के नेतृत्व में शहर के मध्य स्थित मीना रिजवी गर्ल्स इंटर

कॉलेज के प्रांगण में कैंप लगाकर शहर के गरीब बस्ती से बुलाकर लोगों में निशुल्क कंबल वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया, कार्यक्रम में उपस्थित मीना रिजवी गर्ल्स इंटर कॉलेज की प्रिंसिपल तहसीन मैम ने जेसीआई संस्था की प्रशंसा करते हुए कहा की इस तरह के कार्यक्रम जनपद के सभी संस्थाओं को करना चाहिए इस समय शीतलहर का समय चल रहा है लोगों को ठंड में कंबल की आवश्यकता पड़ रही है निम्न चेतना सदस्यों ने कंबल वितरण कार्यक्रम में अपना महत्वपूर्ण सहयोग दिया सरला माहेश्वरी,विभा गुप्ता, चेतना साहू, मंजू जायसवाल, सारिका सेठ, ममता गुप्ता, अनिता कुमारी, ममता कश्यप, मधुरानी गुप्ता रीता कश्यप, रजनी साहू, बबली चौरसिया, मीरा अग्रहरी, रिचा गुप्ता, अंजू पाठक, रिंकी जायसवाल, शालिनी सिंह, कार्यक्रम का संचालन सारिका सेठ ने किया संस्था की नव चयनित कोषाध्यक्ष सरला माहेश्वरी ने सभी का आभार व्यक्त किया!

करंट की चपेट में आने से प्रधान पुत्री की मौत

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : रामपुर थाना क्षेत्र के कुंभापुर की प्रधान पुत्री की शुक्रवार देर शाम करंट की चपेट में आने से मौत गई । जानकारी के अनुसार कुंभापुर ग्राम प्रधान जडावती पत्नी सुभाष प्रजापति की 17 वर्षीय पुत्री कविता शुक्रवार की देर शाम घर में कपड़ा प्रेस कर रही थी कि प्रेस में करंट उतरने से उस की चपेट में आ गई ,परिवार के लोग बाहर बैठे थे अचानक चीख सुनकर घर मे पहुँचे और बुरी तरह घायल कविता को आनन फानन में मड़ियाहूं के निजी चिकित्सालय में ले गए जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया बिना पुलिस को सूचना दिये दाह संस्कार कर दिए इस सबंध में चौकी प्रभारी जमालापुर कश्यप कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जानकारी नही है।

ताला तोड़ कर मस्जिद समेत दो स्थानों पर चोरी

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : गौराबादशाहपुर जौनपुर थाना क्षेत्र के सरसौड़ा गांव में बीती रात चोरों ने सिलाई केंद्र और मस्जिद को निशाना बनाते हुए ताला तोड़ कर हजारों का माल पार कर दिया सुबह जब चोरी की जानकारी लोगो को हुई तो उन्होंने 112 नम्बर की पुलिस को सूचना दी मौके पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल में जुटी पिलखिनी गांव की रहने वाली तारा देवी पत्नी धर्मेंद्र कुमार की सरसौड़ा गांव के पास पास ब्यूटी पार्लर और सिलाई केंद्र की दुकान है बीती रात चोरों ने ताला तोड़ कर दुकान में रखा तीन हजार नगदी ,सिलाई मशीन,समेत करीब तीस हजार का सामान उठा ले गए वही इसी गांव के रामपुर में स्थित मस्जिद में ताला तोड़ कर नगदी पांच हजार और अन्य सामान उठा ले गए पूछे जाने पर थाना अध्यक्ष विक्रम लक्ष्मण सिंह का कहना है कि तहरीर मिली है जांच कर उचित कार्यवाही होगी।

स्थानांतरित अपर जिलाधिकारी भू–राजस्व रजनीश राय के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन संपन्न

जौनपुर सू.वि. : जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा अध्यक्षता में स्थानांतरित अपर जिलाधिकारी भू–राजस्व रजनीश राय के सम्मान में विकास भवन के सभागार में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिला प्रशासन के तत्वावधान में अधिकारियों एवं कर्मियों द्वारा प्रतीक चिन्ह, पुष्पगुच्छ, शॉल आदि

भेंट कर विदाई दी गई। जिलाधिकारी ने कहा कि अपर जिलाधिकारी के द्वारा बड़ी कुशलता से अपने दायित्वों का निर्वहन किया गया। शासकीय सेवा में स्थानान्तरण एक नैतिक प्रक्रिया है। उन्होने कहा कि जो भी अधिकारी जिस जगह तैनाती मिले उसे पूरी लगन के साथ कार्य करना चाहिए। किसी भी व्यक्ति को चाहे वह किसी भी पद पर आसीन हो आम जनता के कार्यो को गंभीरता से लेते हुए उसे हल करने का प्रयास करना चाहिए। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी साईं तेजा सीलम, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व एवं नवागत अपर जिलाधिकारी भू–राजस्व , कलेक्ट्रेट कर्मचारी एवं अधिकारीगणों ने भी सम्बोधित किया।

थाना लाइन बाजार पुलिस टीम द्वारा तीन शातिर चोरों को किया गया गिरफ्तार

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : श्री अजय साहनी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर के द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम व अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाएं जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी नगर के पर्वेक्षण में थानाध्यक्ष लाइन बाजार मय हमराह के साथ पैदल गस्त में मामूर होकर देखभाल क्षेत्र संदिग्ध व्यक्ति/ वाहन चेकिंग वाजिदपुर तिराहा पर चेकिंग कर रहे था कि पलिटेक्निक चौराहे की तरफ से एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन व्यक्ति आते दिखाई दिए, जिन्हे रुकवाकर नाम पता पूछा गया। इनके पास से एक प्लैटिना गाड़ी नीले काले रंग जिसका रजिस्ट्रेशन नं UP62BU9001 तथा चेसिस नं0 MD2A76AYXKRC51546 बरामद हुआ तथा इमरान अली के जामा तलाशी से 1200 नगद प्राप्त हुआ। उक्त वाहन के सम्बन्ध में थाना लाइनबाजार में मु0अ0सं0–540/22 धारा–379 भादवि पंजीकृत है। पूछताछ पर ज्ञात हुआ कि तीनों मिलकर मोटरसाइकिल चुराते हैं तथा चोरी की दो वाहन मंगेश यादव के घर पर रखी है। पुलिस टीम मंगेश यादव के घर पर आकर चेक की तो दो वाहन मिला एक वाहन की संख्या UP70 AM 3631 अंकित है चेचिस नंबर को मिटा दिया गया है व इंजन न JA05EGJ9F00014 अंकित है। दूसरी ज्दै अपाचे लाल रंग जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर MP36MQ3548 चेचिस नंबर D634CE4XK2L00661 अंकित है । इसके अलावा पास में ही एक नंबर प्लेट मिला जिस पर UP62BH9121 अंकित है । बरामदशुदा नम्बर प्लेट के सम्बन्ध में थाना लाइनबाजार में मु0अ0सं0 391/22 धारा 379 IPC पंजीकृत है। पकडे गये व्यक्तियों को उनके अपराध का बोध कराकर पुलिस हिरासत में लिया गया तथा बरामद माल को कब्जा पुलिस में लिया गया। अभियुक्तों का विवरण व आपराधिक इतिहास– 1. मंगेश यादव पुत्र राकेश यादव निवासी अगरौरा थाना बक्शा जनपद जौनपुर। 1.मु0अ0सं0–391/22 धारा–379

भादवि थाना लाइनबाजार जनपद जौनपुर। 2. मु0अ0सं0–545/22 धारा–411/413/414 भादवि थाना लाइनबाजार जौनपुर। 3. मु0अ0सं0–540/22 धारा–379 भादवि थाना लाइनबाजार जनपद जौनपुर। 2. अजय यादव पुत्र फूलचंद यादव निवासी सलेखनपुर थाना बदलापुर जौनपुर। 1.मु0अ0सं0–391/22 धारा–379 भादवि थाना लाइनबाजार जनपद जौनपुर। 2. मु0अ0सं0–545/22 धारा–411/413/414 भादवि थाना लाइनबाजार जौनपुर। 3. मु0अ0सं0–540/22 धारा–379 भादवि थाना लाइनबाजार जनपद जौनपुर। 3. इमरान अली पुत्र स्व0 अब्दुल अजीज निवासी सीड़ गद्दूपुर थाना बदलापुर जनपद जौनपुर। 1.मु0अ0सं0–391/22 धारा–379 भादवि थाना लाइनबाजार जनपद जौनपुर। 2. मु0अ0सं0–545/22 धारा–411/413/414 भादवि थाना लाइनबाजार जौनपुर। 3. मु0अ0सं0–540/22 धारा–379 भादवि थाना लाइनबाजार जनपद जौनपुर। बरामदगी का विवरण– 1.प्लेटिना मोटर साइकिल नम्बर – UP62BU9001 2.सुपर स्प्लेण्डर मोटर साइकिल नम्बर–UP70AM3631 3.अपाची मोटर साइकिल नम्बर– MP36MQ3548 4.एक नम्बर प्लेट चोरी के मोटरसाइकिल का UP62BH9121 व 1200 रूपया नकद। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम– 1.श्री आदेश कुमार त्यागी, थानाध्यक्ष थाना लाइनबाजार जनपद जौनपुर। 2.उ0नि0 आशुतोष कुमार गुप्ता, चौकी प्रभारी टी0डी0 कालेज, थाना लाइनबाजार जौनपुर । 3. का0 धर्मेन्द्र कुमार सिंह, का0 विजय प्रकाश, का0 सुधीर कुमार, का0 अजीत दुबे, थाना लाइनबाजार जौनपुर।

थाना बदलापुर जौनपुर पुलिस द्वारा बलात्कार के मुकदमे से संबंधित वांछित अभियुक्त किया गिरफ्तार

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : श्री अजय साहनी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर के निर्देशन में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) के दिशा निर्देशन व क्षेत्राधिकारी बदलापुर व प्र0नि0 बदलापुर जौनपुर के पर्यवेक्षण में उ0नि0 द्वारिकानाथ यादव मय हमराह का0 पंकज मौर्या, का0 दीपक मौर्या के द्वारा मु0अ0सं0 140/22 धारा 354/376/504/506 भादवि थाना बदलापुर जनपद जौनपुर के वांछित अभियुक्त अमित उपाध्याय पुत्र राजदेव उपाध्याय नि0 भलुवाही थाना बदलापुर जनपद जौनपुर को मुखबीर की सूचना पर थाना बदलापुर क्षेत्र अंतगर्त ग्राम भलुवाही से आज दिनांक 24.12.2022 समय 11.40 बजे गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्त–1.अमित उपाध्याय पुत्र राजदेव उपाध्याय नि0 भलुवाही थाना बदलापुर जनपद जौनपुर गिरफ्तारी करने वाली टीम– 1.उ0नि0

द्वारिकानाथ यादव थाना बदलापुर जनपद जौनपुर । 2.का0 पंकज मौर्या थाना बदलापुर जनपद जौनपुर। 3.का0 दीपक मौर्या थाना बदलापुर जनपद जौनपुर।

हत्या के प्रयास में अतीक के गुर्गे का बनवाया रिमांड : प्रॉपर्टी डीलर पर फायरिंग का मामला

प्रयागराज ब्यूरो : पूरामुफ्ती में दर्ज हत्या के प्रयास के मामले में अतीक अहमद के गुर्गे आरिफ उर्फ कछौली का रिमांड बनवा लिया गया है। पुलिस ने रिमांड बनवाने के बाद वारंट जेल में दाखिल भी करा दिया है। जल्द ही उसका बयान दर्ज किया जाएगा। कछौली अतीक का गुर्गा है जिस पर पूर्व से भी कई मुकदमे दर्ज हैं। पिछले साल 31 दिसंबर को पांच करोड़ की रंगदारी मांगने के मामले में अतीक अहमद, उसके बेटे अली समेत अन्य पर दर्ज मुकदमे में भी वह आरोपी है। इसी मामले में उसने कुछ दिनों पहले कोर्ट में सरेंडर किया था। दो अगस्त को प्रॉपर्टी डीलर जीशान उर्फ जानू ने हत्या के प्रयास के आरोप में अतीक, अली समेत अन्य पर नामजद मुकदमा लिखाया। इस मुकदमे में भी कछौली नामजद है। पूर्व के मुकदमे में उसके सरेंडर करने की सूचना पर पूरामुफ्ती पुलिस ने कोर्ट में अर्जी देकर उसका रिमांड बनवा लिया। इस मामले में अब उसका बयान दर्ज किया जाएगा। पुलिस की ओर से जल्द ही इसके लिए कोर्ट में अर्जी देकर अनुमति मांगी जाएगी। तीन आरोपियों का अब तक सुराग नहीं इस मामले में नामजद तीन आरोपियों का अब तक सुराग नहीं मिल सका है। इसमें पिपरी निवासी प्रधानपुत्र मैसर के अलावा अतीक का सबसे खास गुर्गा असाद व इमरान उर्फ गुड्डू शामिल हैं। असाद करेली में पांच करोड़ की रंगदारी मांगने के मामले में भी लगभग एक साल से वांछित है। पूरामुफ्ती एसओ उपेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि तीनों की तलाश की जा रही है। बता दें कि इस मामले में अतीक समेत कुल नौ लोग नामजद हुए हैं। इनमें से अतीक, अली, अमन, कछौली व फैसल जेल में हैं। तीन आरोपी फरार हैं जबकि गोलू को कोर्ट से राहत मिली हुई है। एक अज्ञात आरोपी को चिह्नित करने का प्रयास जारी है।

इंटर कॉलेज के भीतर युवक की सिर कूंचकर हत्या : छानबीन में जुटी पुलिस

प्रयागराज शाहगंज थाना क्षेत्र के मजीदिया इस्लामिया इंटर कॉलेज के भीतर जाहिद उर्फ सोनू नाम के युवक की सिर कूंचकर हत्या कर दी गई। वह मूल रूप से रायबरेली का रहने वाला था। पिछले कई साल से परिवार के साथ करेली के रसूलपुर में किराए पर कमरा लेकर रहता था। कबाड़ बीनने का काम करता था। सुबह शव मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस ने नशेड़ियों पर हत्या का शक जाहिर किया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए

भेज दिया है।

जिसका दिमाग कई चीजों पर रहता है वह भटकता है एवं लक्ष्य को प्राप्त करने में असमर्थ होता है –डॉ राजेंद्र सिंह

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। श्री जय नारायण मिश्र महाविद्यालय, में 'जलवायु परिवर्तन एवं विकास की चुनौतियां' विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में बोलते हुए भारत के जल पुरुष एवं रमन मैग्सेसे अवार्ड से सम्मानित डॉ राजेंद्र सिंह,अध्यक्ष, विश्व बाढ़ सुखाड़ लोक आयोग, स्वीडन ने छात्राओं से कहा कि जल ही जलवायु है, और जलवायु ही जल है। इसके समक्ष जो वैश्विक चुनौतियां हैं उनके मूल मे जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जब तक हम भगवान को मानते थे तब तक हम दुनिया को रास्ता दिखाते थे, तब तक हम विश्व गुरु माने जाते थे। उन्होंने भगवान शब्द का तात्पर्य बताते हुए कहा कि भ से भूमि, व से वायु, आ से आग और न से नीर अर्थात जल को भगवान कहा जाता है। उन्होंने कहा कि भारत में अनेकों भाषाएं बोली जाती हैं जो एक दूसरे से अलग होती है किंतु भगवान शब्द सभी में पाया जाता है। उन्होंने कहा कि पंचमहाभूतो को ही हम भगवान कहते थे। भगवान हमें जोड़ता था, तोड़ता नहीं था। उन्होंने छात्र छात्राओं को शिक्षा और विद्या के बीच अंतर बताते हुए कहा कि शिक्षा हमें स्वार्थ से जोड़ती है और मैं का भाव लाती है। जबकि विद्या, सद्भावना लाती है और सबके सुख की चिंता करती है। इसमें मुझे की जगह 'हम का भाव प्रमुख होता है। हमारी विरासत हमें मानवता और प्रकृति के बीच संतुलन बनाना सिखाती है। प्यार और सम्मान की भावना को बढ़ाती है।आज हमारे लिए बड़ी नौकरी वो है, जिसमें पसीना ना बहाना पड़े। उन्होंने कहा कि जब प्रकृति से लेनदेन का संतुलन बना रहता है, तभी सनातन विकास होता है। जिसमें सदैव नूतन निर्माण होता है, जो सदैव जीवित रहता है। वही सनातन विकास है। उन्होंने आज के विकास की व्याख्या करते हुए बताया कि आजादी के समय देश में केवल 232 गांव में पीने का पानी नहीं था किंतु आज 75 वर्ष के बाद 87000 गांव में पीने का पानी नहीं है। इस वक्त देश में कर्नाटक, राजस्थान और महाराष्ट्र के कुछ क्षेत्र, 3: सूखाग्रस्त थे परंतु आज 17 राज्यों के 365 जिले सूखे से प्रभावित हैं जो कि 62 परसेंट है। आजादी के समय सिर्फ 1: भूमि पर बिहार, बंगाल एवं उड़ीसा में बाढ़ आती थी। जबकि आज 30: भूमि पर बाढ़ आती है। आज देश में 190 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। उन्होंने कहा

कि पानी के स्थान की निकासी पर सड़कें और गलत स्थानों पर पुल बनाने से ड्रेनेज सिस्टम पूरी तरह से प्रभावित हुआ है। आज हमारे सामने जलवायु एवं विकास की चुनौतियों में विस्थापन, बिगाड़ एवम विनाश की चुनौतियां प्रमुख है। उन्होंने युवाओं का आवाहन करते हुए कहा कि, जो जीवन में एक ही काम करता है उसे समय के साथ सिद्धि प्राप्त हो जाती है। जिसका दिमाग कई चीजों पर रहता है, वह भटकता है एवं लक्ष्य को प्राप्त करने में असमर्थ होता है। उन्होंने छात्र–छात्राओं से कहा कि, संयुक्त राष्ट्र में पहले जलवायु में केवल वायु का की वर्णन होता था। किंतु अब तक हाल के दो विश्व सम्मेलनों में किए गए उनके आंदोलन और जन सहयोग के फल स्वरुप जल को भी जलवायु में समावेशित किया गया है। उन्होंने कहा कि, जल ही जलवायु है और जलवायु ही जल है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के भूगोल विभाग, समाजशास्त्र एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के शिक्षकों के सहयोग से, 'बाढ़ सुखाड़ लोक आयोग' के कार्यों को आगे बढ़ाने की दिशा में कार्य योजना बनाई गई है। शिक्षकों के माध्यम से ऐसे क्षेत्रों में जो बाढ़ एवं सूखे से प्रभावित है, उनकी स्थानीय जानकारी एकत्रित करने हेतु श्री श्री जयनारायण मिश्र महाविद्यालय के भूगर्भ शास्त्र के विभागाध्यक्ष, डॉ अंशुमाली शर्मा को समन्वयक के रूप में नियुक्त किया गया है। इस कार्य में उ नकी सहायता करने के लिए परमार्थ समाज सेवी संस्था के डॉक्टर संजय सिंह को प्रभार दिया गया है। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने छात्र–छात्राओं के स्वाभाविक प्रश्नों का उत्तर दिया। इस अवसर पर 'सूखा बाढ़ और जलवायु परिवर्तन वैश्विक चुनौती स्थानीय समाधान' विषय पर आधारित एक पुस्तक का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर भूगर्भ शास्त्र विभाग के शिक्षक डा शैलेंद्र कुमार चौधरी, डॉ नवल किशोर तिवारी, डॉ प्रीतिका सिंह, डॉ सरनजीत सिंह, महाविद्यालय के शिक्षक, प्रो एस सी हजेला, प्रो के के शुक्ला, प्रो एसपी शुक्ला, प्रो शुची मिश्रा, डॉ नीलम अग्रवाल, डा गिरिजेश त्रिपाठी, डॉ मनीष मिश्रा, डा विजय राज श्रीवास्तव सहित अनेक छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

कोविड 19 के नये वैरियेन्ट पाये जाने के कारण आम जनमानस को पैनिक होने की आवश्यकता नही – जिलाधिकारी जौनपुर

जौनपुर सू.वि. : जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा द्वारा जनपद के निवासी से अपील की गई है कि कोविड 19 के नये वैरियेन्ट पाये जाने के कारण आम जनमानस को पैनिक होने की आवश्यकता नही है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 लक्ष्मी सिंह द्वारा बताया गया कि जनपद में वर्तमान समय में कोविड का कोई भी केस सक्रिय नही है। जौनपुर प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सक्रिय है। कोविड रोगियों की चिन्हिकरण एवं ट्रेसिंग हेतु स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रतिदिन लगभग 800 सेम्पलिंग की जा रही है। जनपद के सभी ब्लाक के समस्त सामु0स्वा0केन्द्रों एवं जिला अस्पताल, टी0बी0 हास्पिटल, जिला कारागार में सेम्पलिंग प्रतिदिन किया जा रहा है। जनपद में 03 एल–2 कोविड चिकित्सालय की तैयारी पूर्ण है। जनपद जौनपुर के 04 तहसीलों में एल–1 प्लस कोविड चिकित्सालय को सक्रिय कर दिया गया है। जनपद में 475 बेड की तैयारी पूर्ण कर ली गयी है। जनपद के 14 स्थानों पर ऑक्सीजन प्लांट स्थापित है। जो आवश्यकता अनुसार आक्सीजन की कमी को पूर्ण कर सकता है। 20 एच0एफ0एन0सी0, 20 वैन्टीलेटर, 12 बाइपैप मशीन, 652 (5 लीटर) ऑक्सीजन कान्सिट्रेन्टर, 100 (7 लीटर) ऑक्सीजन कान्सिट्रेन्टर, 363 (10 लीटर) ऑक्सीजन कान्सिट्रेन्टर, बड़ा आक्सीजन सिलेण्डर 163, छोटा आक्सीजन सिलेण्डर 237, ग्रामीण निगरानी समिति की संख्या 220, अर्बन निगरानी समिति की संख्या 84 इसी तरह अर्बन आर0आर0टी0 टीम की संख्या 03, ग्रामीण आर0आर0टी0 टीम की संख्या 40 सभी शहरी एवं ग्रामीण आर.आर.टी. टीम, निगरानी समितियों को सक्रिय कर दिया गया है। कोविड अस्पतालो में मौकड्रील करने हेतु आदेश दिया गया है। जनपद में अब तक जॉच किये गये सेम्पल की संख्या 1920183 है जिसके सापेक्ष पिछले दिनों 25284 केस घनात्मक पाये गये थे। उन्होंने अवगत कराया है कि जनपद में 18 नवम्बर 2022 के बाद से कोई कोविड पाजिटीव केस नही मिला है। जनपद के निवासी को घबराने की जरूरत नही है। जनपद पूरी तरह से ट्रेसिंग, टेस्टिंग, ट्रीटमेंट के द्वारा कोविड को मात देने को तैयार है जिसमें आप सब के सहयोग से पूर्व की भॉति इस बार भी कोविड को हरायेगें, आपसे निवेदन है कि आप बिना आवश्यक कार्य के भीड़–भाड़ की जगहो पर जाने से बचे। सोशल डिस्टेसिंग का पालन करे, मास्क का प्रयोग करे। लक्षणयुक्त होने की स्थिति में निकट सेम्पलिंग स्थानो पर जाकर सेम्पलिंग कराये। कोविड 19 से सम्बन्धित सहयोग लेने हेतु एन्टीग्रेटेट कोविड कमाण्ड सेन्टर नम्बर–05452–260666, 05452–260501 पर डायल करे।

कोरोना का बढ़ा खतराः विदेश से आने वाले यात्रियों के लिए कोविड जांच अनिवार्य

गोरखपुर ब्यूरो : कोरोना संक्रमण के नए वैरिएंट को लेकर स्वास्थ्य विभाग एक बार फिर अलर्ट मोड पर आ गया है। शासन के निर्देश पर विदेश से आने वालों की कोविड जांच की जाएगी। साथ ही संबधित लोग निगरानी में रहेंगे। जिले में कोविड जांच के लिए 16 आरआर टीमों का गठन कर दिया गया है। जिले में फिलाहल एक भी कोरोना का सक्रिय केस नहीं है। चीन के साथ जापान, अमेरिका, कोरिया और ब्राजील आदि देशों में कोरोना का नया वैरियंट सामने आया है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने निगरानी व जांच का दायरा बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। विदेश से आने वालों की कोविड जांच करानी होगी। उसकी रिपोर्ट निगेटिव आने पर ही भी होम आइसोलेशन में एक सप्ताह तक रहने की सलाह दी जाएगी। इसके लिए सीएमओ ने सीएचसी व पीएचसी अधीक्षकों को निर्देश भी जारी किए हैं। जांच के लिए गाइड लाइन सभी यात्रियों की थर्मल स्क्रीनिंग लक्षण मिलने पर आरटीपीसीआर जांच। विदेश से आने वाले व्यक्ति को आठ दिन तक आइसोलेशन में रखा जाए। विदेश से आने के बाद संक्रमित मिले व्यक्ति के सेंपल की जीनोम

सीक्वेसिंग की जाएगी। घबराने की नहीं जरूरत, सावधानी बरतें सीएमओ डॉ. उमेश त्रिपाठी ने बताया कि लोगों को घबराने की जरुरत नहीं है। लेकिन सावधानी बरतने की जरुरत है। भीड़ में जाने से बचे, मॉस्क लगाए किसी भी प्रकार की दिक्कत होने पर चिकित्सक से परामर्श लें। जिले में सभी इंतजाम पूर्ण है। कोविड जांच के लिए टीमों का गठन कर दिया गया है।

इसरो केंद्र का भ्रमण कर लौटे बच्चों से मिले कुलपति

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। डॉ0 एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में शुक्रवार को सिद्धार्थनगर जिले के हसुड़ी औसानपुर के उच्च प्राथमिक विद्यालय के बच्चे अपने शिक्षक और ग्राम प्रधान के साथ पहुंचे। ये बच्चे हाल ही में एक दिवसीय भ्रमण के लिए

इसरो के अंतरिक्ष उपयोगिता केंद अहमदाबाद गये थे। बच्चों ने कुलपति प्रो0 प्रदीप कुमार मिश्र से मुलाकात कर इसरो केंद्र के अपने अनुभव को साझा किया। बच्चों ने बताया कि इसरो केंद्र में जाने से उन्हें कई बातों का पता चला। बच्चों ने कहा कि वहां के सेटेलाइट, रॉकेट और चंद्रयान, गगनयान मिशन के बारे में बहुत कुछ जानने को मिला। कक्षा सात की छात्रा अवंतिका ने रॉकेट में लगने वाले इंसुलेटर के बारे में बताया। वहीं, अभिलाषा ने गगनयान मिशन के बारे में बताया। कुलपति प्रो0 प्रदीप कुमार मिश्र ने बच्चों को न केवल शुभकामनाएं दी बल्कि उनके भविष्य में लक्ष्य पर भी चर्चा की। बच्चों को इसरो केंद्र में जाने की खुशी उनके चेहरे पर साफ झलक रही थी। बच्चे भविष्य में वैज्ञानिक बनना चाहते हैं। आपको बता दें कि उक्त गांव के प्राइमरी स्कूल में व्योमिका स्पेश लैब की ओर से ग्राम प्रधान दिलीप त्रिपाठी के प्रयास से विक्रम साराभाई स्पेश लैब स्थापित किया गया है। प्रदेश में यह अपने आप का पहला गांव है जहां यह लैब लगा है। इस लैब में रॉकेट और सेटेलाइट के मॉडल, टेलिस्कोप, ड्रोन, एअरक्राफ्ट, थ्री डी प्रिंटर, रोबोट लगाये गये हैं। जिससे न केवल बच्चे विज्ञान और तकनीकी से परिचित हो रहे हैं बल्कि उनमें वैज्ञानिक बनने की इच्छाशक्ति भी आ रही है। ग्रामीण इलाके में इस तरह का लैब अपने आप में अनोखा है। कुलपति प्रो0 प्रदीप कुमार मिश्र ने विश्वविद्यालय के गोद लिये गांवों के बच्चों को भी ऐसे लैब की सुविधा देने के लिए एक लैब विश्वविद्यालय में स्थापित करने की इच्छा जाहिर की। बच्चों के साथ ग्राम प्रधान दिलीप त्रिपाठी, शिक्षक रामकृपाल पासवान और गोविंद यादव आये थे।

जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में अभियोजन कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

जौनपुर सू.वि. : जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में अभियोजन कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि पास्को के लंबित मामलों में त्वरित कार्यवाही करते हुए न्याय दिलाया जाये। ई सी एक्ट के लंबित मुकदमो की जानकारी ली और निर्देश दिया कि अभियान चलाकर जिला पूर्ति अधिकारी समन्वय कर मुकदमों का निस्तारण कराये। खाद्य सुरक्षा के 272 मामले लम्बित है, सबसे पुराने मामलों को प्राथमिकता पर निबटाये। विद्युत विभाग के लंबित मुकदमों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि सूची उपलब्ध कराए और अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शैलेंद्र सिंह से समन्वय करते हुए निस्तारण कराये। एक्साइज एक्ट, पॉक्सो एक्ट, एनडीपीएस एक्ट, एससी–एसटी एक्ट, हत्या, डकैती, बलात्कार, शस्त्र अधिनियम से संबंधित मामलों की समीक्षा की और प्रभावी पैरवी करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एव राजस्व सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी द्वारा राजकीय धान क्रय केंद्र मछलीशहर का किया गया औचक निरीक्षण

जौनपुर सू.वि. : जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के द्वारा राजकीय धान क्रय केंद्र मछलीशहर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मार्केटिंग इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार यादव के द्वारा बताया गया कि अभी तक कुल 8553 कुंटल धान की खरीद की गई है और आज, कल 250 कुंतल धान खरीदा गया है। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि केंद्र पर एक अतिरिक्त काटे की व्यवस्था की जाए और किसानों का भुगतान समय से हो जाए। उन्होंने किसान समर बहादुर यादव से पूछा की धान बेचने में किसी भी प्रकार की समस्या तो उत्पन्न नहीं हुई है इस पर किसान के द्वारा बताया गया कि उन्हें किसी भी प्रकार की समस्या नहीं हुई है। जिलाधिकारी धान क्रय केंद्र पर किसानों के बैठने की एवं पेयजल की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

पशु आश्रय स्थल गोवंश लेकर पहुंचे किसानों से भिड़े प्रधान

रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव पाली–हरदोई : गोवंशो के आतंक से परेशान दर्जनों किसान गोवंशो को लेकर जब नवनिर्मित अस्थाई आश्रय स्थल लेकर पहुंचे तो गांव के प्रधान ने व्यवस्था न होने की बात कहकर गोवंशों को लौटाने की कोशिश की जिस पर प्रधान और किसानों में कहासुनी होने लगी मामला बिगड़ता देख प्रशासनिक अधिकारियों से संपर्क किया गया।उसके बाद मौके पर पहुंचे पशु चिकित्सा अधिकारी के समझाने बुझाने के बाद मामला शांत हुआ। भरखनी ब्लॉक के गांव निजामपुर में नवनिर्मित अस्थाई आश्रय स्थल का उद्घाटन होने के बाद से गोवंशो के आतंक से परेशान खनिकला जहानपुर के दर्जनों किसान करीब 31 गोवंशों को लेकर आश्रय स्थल पहुंचे। तभी निजामपुर के प्रधान आश्रय स्थल पहुंचे और पशुओं को यहां से ले जाने की बात कहने लगे, जिस पर किसान भड़क गये और उनके बीच कहासुनी होने लगी मामले को बढ़ता देख खनिकला जहांनपुर प्रधान प्रतिनिधि अनुज पाण्डेय द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों से संपर्क किया गया। उसके बाद मौके पर पहुंचे पशु चिकित्सा

अधिकारी धर्मेंद्र कुमार वर्मा के समझाने बुझाने के बाद मामला शांत हुआ। पशु चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि यहां 50 गोवंश रखने की ही व्यवस्था है, इसके अलावा यदि आप लोगों के यहां और गोवंश हैं तो बात कर अन्य आश्रय स्थलों में उनको भिजवा दिया जायेगा।

ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य के भूमि आवंटन पर प्रयागराज में विवाद : नहीं हो सकी नापी

प्रयागराज ब्यूरो : ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य के भूमि आवंटन पर शुक्रवार को विवाद खड़ा हो गया। त्रिवेणी मार्ग पर सेक्टर तीन में नापी करने गई मेला प्रशासन की राजस्व टीम ने ज्योतिष्पीठ की 40 हजार वर्गफीट भूमि आरक्षित रख ली। इसे लेकर अनुयायी भड़क उठे। ज्योतिष्पीठाधीश्वर के प्रतिनिधि ब्रह्मचारी श्रीधरानंद ने द्वारका–शारदा पीठ की भी भूमि लेने से इन्कार कर दिया। शंकराचार्यों के भूमि आवंटन के विवाद पर शनिवार को निर्णय होने की उम्मीद है। त्रिवेणी मार्ग पर शंकराचार्यों के लिए भूमि आवंटन दोपहर दो बजे से होना था। मेला प्रबंधक रविकांत द्विवेदी, सेक्टर मजिस्ट्रेट प्रेमनाथ समेत कानूनगो, लेखपाल तीन बजे पहुंचे। इस दौरान वहां ज्योतिष्पीठ और द्वारका–शारदा पीठ के शंकराचार्यों के प्रतिनिधि के तौर पर मनकामेश्वर मंदिर के व्यवस्थापक श्रीधरानंद अपने शिष्यों के साथ मौजूद थे। मेला प्रशासन की ओर से द्वारका–शारदा पीठ के लिए तो 40 हजार वर्ग फीट भूमि आवंटित करने के लिए नापी कराई जाने लगी, लेकिन ज्योतिष्पीठ की भूमि आरक्षित करने की बात कही गई। मेला प्रबंधक की ओर से ज्योतिष्पीठ की 40 हजार वर्ग फीट भूमि आरक्षित रखने की बात पर ज्योतिष्पीठ के प्रतिनिधियों ने नाराजगी जताई। उनका कहना था कि ज्योतिष्पीठ की भूमि पर किसी तरह का सुप्रीम कोर्ट की ओर से आदेश जारी नहीं किया गया है। ज्योतिष्पीठाधीश्वर के रूप में स्वामी स्वरूपानंद को मेले में 2017 से ही भूमि –सुविधाएं मिलती रही हैं। उसी क्रम में इस बार भी ज्योतिष्पीठ की भूमि उन्हें दी जानी चाहिए। इस पर मेला प्रशासन कोई निर्णय नहीं ले सका। विवाद शाम पांच बजे तक चलता रहा। अंततः शंकराचार्य के प्रतिनिधि श्रीधरानंद ने द्वारका–शारदा पीठ की भी भूमि की नापी नहीं कराई। उनका कहना था कि अगर ज्योतिष्पीठ की भूमि का आवंटन नहीं किया गया तो इस बार माघ मेले में शंकराचार्य का शिविर नहीं लगेगा। माघ मेला में ज्योतिष्पीठाधीश्वर की भूमि पर आज हो सकता है निर्णय मेला प्रशासन इस बार ज्योतिष्पीठाधीश्वर के रूप में किसे मान्यता देता है, यह सुप्रीम कोर्ट की ओर से हाल में जारी हुए आदेश पर निर्भर करेगा। मेला प्रशासन से जुड़े अफसरों का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट की ओर से स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के पट्टाभिषेक पर रोक लगा दी गई है। ऐसे में भूमि किसे दी जाए, इस पर अभी निर्णय

नहीं लिया जा सका है। शनिवार को दोबारा मेला प्रशासन ज्योतिष्पीठ की भूमि के आवंटन को लेकर विचार करेगा। ज्योतिष्पीठ की भूमि को लेकर कोई विवाद न था न है। मेला प्रशासन के कुछ अधिकारी जानबूझ पर ऐसा कर रहे हैं। त्रिवेणी मार्ग पर भूमि आवंटन शुक्रवार से होना था, लेकिन इससे हफ्ते भर पहले ही पहले ही वासुदेवानंद को वहां भूमि–सुविधाएं कैसे आवंटित कर दी गईं। इस पूरे प्रकरण में मेला प्रशासन के कतिपय अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध है। अगर ज्योतिष्पीठ की भूमि पूर्व की भांति आवंटित नहीं की जाएगी तो इस बार माघ मेले में ज्योतिष्पीठ और द्वारका–शारदा पीठ के शिविर नहीं लगेंगे। – ब्रहमचारी श्रीधरानंद, मनकामेश्वर मंदिर सरस्वती घाट। सुप्रीम कोर्ट ने ज्योतिष्पीठाधीश्वर के रूप में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के पट्टाभिषेक पर रोक लगा दी है। ऐसे में ज्योतिष्पीठ की भूमि उन्हें आवंटित नहीं की जानी चाहिए। इस मसले पर मेला प्रशासन को निष्पक्ष निर्णय लेना चाहिए। – ओंकार नाथ त्रिपाठी, प्रवक्ता– स्वामी वासुदेवानंद। ज्योतिष्पीठ की भूमि के आवंटन में सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन कराया जाएगा। इसके लिए शनिवार को विधिक राय के साथ प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। चूंकि इस समय ज्योतिष्पीठाधीश्वर पद पर कोई नहीं है तो ऐसे में विधिक राय के आधार पर ही कोई निर्णय लिया जाएगा। – अरविंद चौहान, मेलाधिकारी।

हिस्ट्रीशीटर ने खुद को गोली से उड़ाया : 1.80 लाख रुपये की लूट में था वांछित

प्रयागराज ब्यूरो : खीरी के कैथवल कटनहवा गांव में हिस्ट्रीशीटर ब्रह्मदेव दूबे उर्फ सुल्ली (24) ने खुद को गोली से उड़ा लिया। रात नौ बजे के करीब वह घर पहुंचा और सीधे अपने कमरे में जाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने तमंचा बरामद करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। ब्रह्मदेव पुत्र अरुण कुमार दुबे खीरी थाने का हिस्ट्रीशीटर था। उस पर मेजा, शंकरगढ़, मुट्ठीगंज, खीरी व प्रतापगढ़ के उदयपुर में दर्जनों गंभीर मामले दर्ज हैं। अक्टूबर में मांडा के बरहा कलां गांव में मिनी बैंक संचालक राजीव विश्वास से 1.8 लाख रुपये लूटने में वह वांछित चल रहा था। 13 अक्टूबर को हुई इस वारदात में वह और उसके दो साथी शामिल थे। तीन नवंबर को कुशलपुर गांव के पास मुठभेड़ के दौरान मेजा उरुवा निवासी सौरभ मिश्रा उर्फ आकाश व मांडा के बहेलियापुर गांव निवासी मोनू भारतीया को पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार किया था, जबकि ब्रह्मदेव की तलाश की जा रही थी। पुलिस ने बताया कि वह लंबे समय से फरार चल रहा था। शुक्रवार रात नौ बजे के करीब वह घर आया और सीधे अपने कमरे में चला गया। कुछ देर बाद गोली चलने की आवाज सुनकर घरवाले कमरे में पहुंचे तो वह खून से लथपथ मृत पड़ा मिला। उसे गोली लगी थी और बगल में तमंचा पड़ा था।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने तमंचा कब्जे में लेकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इंस्पेक्टर वीरेंद्र कुमार सोनकर ने बताया कि मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। उसने खुदकुशी क्यों की, इस बारे में घरवाले भी कुछ बता नहीं पाए हैं। पोस्टमार्टम शनिवार को कराया जाएगा।

विभिन्न कंपनियों में किया गया एकेटीयू के 13 छात्रों का चयन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के 13 छात्रों का चयन कैंपस प्लेसमेंट के जरिए विभिन्न कंपनियों में हुआ है। बीटेक सीएस और आई टी के 7 छात्रों का चयन, सॉफ्टवेयर, इंजीनियर के पद पर 4 लाख 9 हजार रुपए सालाना के पैकेज पर एस वाई एम बी टेक्नोलॉजीज में हुआ है। इसी तरह 4 छात्रों का चयन प्रोजेक्ट मैनेजर के पद पर 3 लाख रुपए सालाना पैकेज पर एन एस एम एक्स टेक्नोलॉजी में हुआ है। इसके अलावा 2 छात्रों का चयन एसोसिएट ट्रेनी के पद पर 3 लाख 30 हजार रुपए सालाना पैकेज पर हुआ है। कुलपति प्रोफेसर प्रदीप कुमार मिश्र ने चयनित छात्रों को शुभकामनाएं दी है।

सम्पादक मंडल
श्री शिवशंकर द्विवेदी संयुक्त सचिव (सेवा निवृत्त) उ0प्र0 शासन, लखनऊ, पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी
प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"
पता–ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0
लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मों0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक
श्रीमती हेमा त्रिपाठी
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही
समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।